No. of Printed Pages : 6 **BPYC–102**

B. A. (MAJOR PHILOSOPHY)

(BAFPY)

Term-End Examination

June, 2026

BPYC-102 : ETHICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Explain the deontological theory of Kant. What are the major criticisms given against Kantian deontology ? 20

Or

Discuss Mill's utilitarianism. Why do philosophers criticize utilitarianism over its consequential nature ? Explain.

2. Give a detailed account of Meta-ethics and its branches. 20

Or

Define Bioethics. Discuss some key issues of Bioethics.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :
   (a) Critically evaluate 'Virtue Ethics' of Aristotle. 10
   (b) Write a note on 'Reproductive Rights'. 10
   (c) What is 'natural moral law' ? What are the major criticisms of natural moral law ? 10
   (d) Discuss the views of David Hume on ethical subjectivism. 10
4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :
   (a) Distinguish between hypothetical imperative and categorical imperative. 5
   (b) Explain naturalistic fallacy. 5
   (c) Write a note on moral relativism. 5

(d) What is the significance of Purushartha ? Explain. 5

(e) Describe different types of Euthanasia. 5

(f) Write a note on prescriptivism. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Eudaimonia 4

(b) Christian vices 4

(c) Concept of Rta 4

(d) Moral action in Hinduism 4

(e) Normative ethics 4

(f) Anthropocentric ethics 4

(g) Informed consent 4

(h) Open question argument 4

BPYC–102

बी. ए. (मुख्य दर्शनशास्त्र)

(बी. ए. एफ. पी. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.पी.वाई.सी.-102 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. काण्ट की कर्तव्यपरक नीतिशास्त्रीय सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। काण्ट के कर्तव्यपरक नीतिशास्त्र के विरुद्ध दी गयी मुख्य आलोचनायें क्या हैं ? 20

अथवा

मिल के उपयोगितावाद की चर्चा कीजिए। दार्शनिक उपयोगितावाद की आलोचना इसके परिणामवादी स्वभाव पर क्यों करते हैं ? व्याख्या कीजिए।

2. अधिनीतिशास्त्र एवं इसकी शाखाओं की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

जैवनीतिशास्त्र को परिभाषित कीजिए। जैवनीतिशास्त्र के कुछ मुख्य मुद्दों की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200–200** शब्दों में दीजिए :

(क) अरस्तू के सद्‌गुण नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 10

(ख) प्रजनन अधिकारों पर टिप्पणी लिखिए। 10

(ग) 'प्राकृतिक नैतिक नियम' क्या है ? प्राकृतिक नैतिक नियम की प्रमुख आलोचनायें क्या हैं ? 10

(घ) नीतिशास्त्रीय व्यक्तिनिष्ठवाद पर डेविड ह्यूम के विचारों की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150–150** शब्दों में दीजिए :

(क) सापेक्ष आदेश एवं निरपेक्ष आदेश के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(ख) 'प्रकृतिवादी दोष' की व्याख्या कीजिए। 5

(ग) नैतिक सापेक्षतावाद पर टिप्पणी लिखिए। 5

(घ) पुरुषार्थ का क्या महत्व है ? व्याख्या कीजिए। 5

(ङ) इच्छामृत्यु के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए। 5

(च) परामर्शवाद पर एक टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) परम सुख (यूडेमोनिया) 4

(ख) ईसाई धर्म के अनुसार अवगुण 4

(ग) ऋत की अवधारणा 4

(घ) हिन्दू धर्म में नैतिक कृत्य 4

(ङ) मानकीय नीतिशास्त्र 4

(च) मानव केन्द्रित नीतिशास्त्र 4

(छ) सूचित सहमति 4

(ज) खुला-प्रश्न युक्ति 4

× × × × ×